>

Title: Need to provide adequate compensation to the farmers whose crops have been damaged due to fire and drought

श्री अविनाश राय खन्ना (होशियारपुर): सर, मेरा संसदीय क्षेत्र पहाड़ी एरिया है, उसको कंडी बोलते हैं। पिछले चार-पांच साल से, वहां वर्षा न होने की वजह से सूखे की स्थिति बनी हुई है। फसल को बचाने के लिए किसान अपने खेतों में सोते हैं, लेकिन जानवर फिर भी उसकी फसल तबाह कर देते हैं। एक तो गरीबी है, पानी नहीं है, वर्षा नहीं होती है, जिसके कारण फसल खराब होती है और तीसरी बीमारी वहां यह हो गयी है कि किसानों की जमीन के ऊपर से जो बिजली की तारें जाती हैं, उनमें स्पार्किंग होने के कारण फसल आग से खत्म हो जाती है। इसलिए मैं सरकार से निवेदन करूंगा कि सूखा, फायर और जानवरों के कारण जो फसल खराब होती है, उसे कंपनसेट करने के लिए कंडी एरिया को एक स्पेशल पैकेज दिया जाए। धन्यवाद।

MR. SPEAKER : I have got 35 notices. I cannot call everybody immediately. Please wait.

SHRIMATI PRATIBHA SINGH (MANDI): Thank you, Sir. With your permission, I would like to raise this issue of urgent importance. Last week, in my State of Himachal Pradesh, for four to five days, moderate to heavy snowfall and hailstorm had intensified in the higher reaches. Tribal belt of Kinnaur, Lahul Spiti and Tangi-Bharmour had moderate to heavy snowfall. In my constituency of Mandi in Himachal Pradesh, Kinnaur, Kulu and other areas had very heavy snowfall between 20 and 25 centimetres. This is totally an unseasonal cold spell.

MR. SPEAKER : Climate change.